डॉ.पद्मा पाटील
एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी.
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय
कोल्हापुर -416004

संस्तुति पत्र

मैं संस्तुति करती हूँ कि श्री. **अमोल योसेफ जमणे** द्वारा लिखित 'राजेंद्र अवस्थी के 'महुआ आम के जंगल' कहानी संग्रह में आदिम जनजीवन का चित्रण' लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

स्थान : कोल्हापुर

तिथि : 30·06·2008

30/6/08

डॉ. पद्मा पाटील
एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी.
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY KOLHAPUR

प्रा. डॉ. यादवराव बाबुराव धुमाळ
एम.ए.,पीएच.डी.
पूर्व अध्यक्ष,हिंदी विभाग,
वेणूताई चव्हाण कॉलेज, कराड
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
एवं
पूर्व सदस्य विद्वत सभा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि **श्री.अमोल योसेफ जमणे** ने मेरे निर्देशन में *'राजेंद्र अवस्थी के 'महुआ आम के जंगल' कहानी संग्रह में आदिम जनजीवन का चित्रण'* यह लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल्. (हिंदी) उपाधि के लिए लिखा है। पूर्व योजनानुसार संपन्न इस शोध कार्य में शोध-छात्र ने मेरे सुझावों का पूर्णत: पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान : कराड

तिथि : 30.06.2008

शोध-निर्देशक

(प्रा. डॉ. यादवराव बाबुराव धुमाळ)

प्रस्तावना

'राजेंद्र अवस्थी के 'महुआ आम के जंगल' कहानी संग्रह में आदिम जनजीवन का चित्रण' लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान : कोल्हापुर

तिथि : 30-06-2008

शोध-छात्र

(श्री. अमोल योसेफ जमणे)